RAMAKRISHNA MISSION VIDYAMANDIRA

(Residential Autonomous College affiliated to University of Calcutta)

B.A./B.Sc. FIRST SEMESTER EXAMINATION, DECEMBER 2016

FIRST YEAR [BATCH 2016-19]

Date : 19/12/2016 **SANSKRIT [General]**

Time : 11 am – 2 pm **Paper : I** Full Marks : 75

1. लक्षणोदाहरणाभ्यां **त्रीणि** छन्दांसि व्याख्येयानि। [3×3]

   इन्द्रवज्रा, शालिनी, वंशस्थविलम्, वसन्ततिलकम्, प्रहर्षिणी।

2. यथेच्छं **पादद्वये** गणविभागपुरःसरं छन्दो निर्णेयम्। [2×3]

   क) सदारात्मजज्ञातिभृत्यो विहाय।

   ख) पतिकुले तव दास्यमपि क्षमम्।

   ग) कश्चित् कान्ताविरहगुरुणा स्वाधिकारात् प्रमत्तः।

   घ) इदं किलाव्याजमनोहरं वपुः।

3. क) यथेच्छं शब्द**पञ्च**कस्य रूपाणि लेख्यानि। [5×1]

   अस्मद् — प्रथमाबहुवचने, कवि — पञ्चम्येकवचने, पितृ — षष्ठीबहुवचने, नदी — द्वितीया बहुवचने, वारि — प्रथमैकवचने, साधु — षष्ठीद्विवचने, माला — सप्तम्येकवचने

   ख) यथेच्छं धातु**पञ्च**कस्य रूपाणि लेख्यानि। [5×1]

   अस्- लङि प्रथमपुरुषैकवचने, शी- लटि प्रथमपुरुषैकवचने, भू- लोटि मध्यमपुरुषैकवचने
   गम्- लृटि मध्यमपुरुषबहुवचने, पठ्- विधिलिङि उत्तमपुरुषैकचने, वच्- लटि प्रथमपुरुषद्विवचने
   दृश्- विधिलिङि प्रथमपुरुषबहुवचने।

4. यथेच्छ**मेकस्य** प्रश्नस्योत्तरं प्रदेयम्। [1×10]

   क) 'शुकनासोपदेशः' इत्यंशे वर्णितानाम् उपदेशानां परिचयः यथापठितम् उपस्थाप्यताम्।

   ख) 'बाणोच्छिष्टं जगत् सर्वम्' —इति व्याख्यायताम्।

   Or,

   वङ्गभाषया आङ्गलभाषया वा यथेच्छम् अनुच्छेद**द्वय**स्यानुवादः करणीयः। [2×5]

   क) विदितवेदितव्यस्य अधीतसर्वशास्त्रस्य ते नाल्पमप्युपदेष्टव्यमस्ति। केवलञ्च निसर्गत एवाभानुभेद्यमरत्नालोकच्छेद्यमप्रदीप-प्रभापनेयमतिगहनं तमो यौवनप्रभवम्।

   ख) अपरिणामोपशमो दारुणो लक्ष्मीमदः। कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यमपरमैश्वर्यतिमिरान्धत्वम्। अशिशिरोपचारहार्योऽतितीव्रो दर्पदाहज्वरोष्मा।

   ग) नित्यमस्नान-शौच-बाध्यो बलवान् रागमलावलेपः। अजस्रमक्षपावसान-प्रबोधा घोरा च राज्यसुख-सन्निपात-निद्रा च भवतीत्यतो विस्तरेणाभिधीयसे।

5. स्वेच्छया कस्यचन **एकस्या**नुच्छेदस्य संस्कृतभाषायानुवादः कार्यः। [1×10]

   क) গণেশ ও কার্তিকেয়ের মা দুর্গা। তাঁর গলায় ছিল এক বহুমূল্য হার। তাদের দুজনের তা পাওয়ার ইচ্ছে হল। মা তাদের অভিপ্রায় বুঝলেন ও বললেন, ''তোমাদের দুজনের মধ্যে যে প্রথমে বিশ্বভ্রমণ করতে পারবে, এ মালা সেই পাবে।'' ময়ূরে চড়ে কার্তিকেয় সঙ্গে সঙ্গে বেরিয়ে পড়লেন।

   খ) পুরাকালে এক বনে এক ব্যাধ বাস করত। তার নাম ছিল হিরণ্যধনু। তার এক পুত্র ছিল। পুত্রের নাম ছিল একলব্য। একদা একলব্য দ্রোণাচার্যের কাছে গিয়েছিল। সে অস্ত্রবিদ্যা শিক্ষার জন্য সেখানে গিয়েছিল। সে জাতিতে ব্যাধ ছিল। তাই দ্রোণাচার্য তাকে প্রত্যাখ্যান করলেন।

6. अधोदत्तम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रदत्तानां **प्रश्नानां** संस्कृतेन उत्तरं लेख्यम्। [5×2]

वाराणसीमध्युवासाचार्यः रामतीर्थः। सुमतिः प्रमतिश्चेति द्वौ शिष्यौ आस्ताम्। गुरोः गृहं निकषा तौ द्वयोः कक्षयोः न्यवसताम्। शिष्ययोः बुद्धिः कीदृशीति परीक्षार्थं गुरुः सुमतये प्रमतये चैकैकं रूप्यकं दत्त्वाह–गृह्णीत स्वल्पं धनम्। क्रीणीत तादृशं वस्तु येन युवयोः स्वकीया कक्षा परिपूर्णा भवेदिति। तावेकैकं रूप्यकमादाय गतौ। सुमतिः कर्षकस्य गृहात् पलालमानीय स्वकक्षां पूरयति स्म। प्रमतिस्तु आपणात् एकं दीपं क्रीत्वा तं प्रज्वाल्य गुरवे न्यवदेयत्। आचार्य आलोकमयं गृहमवलोक्य प्रमतेः बुद्धिचातुर्यं प्रशस्य श्रेयो लभस्व इत्याशिषं तस्मै प्रददौ।

क) को रामतीर्थः ? वासस्तस्य वा कुत्र ?

ख) कौ तस्य शिष्यौ ? तौ कुत्र न्यवसताम् ?

ग) ताभ्यां किमर्थं रूप्यकं प्रदत्तम् ?

घ) रूप्यकेण कः किं क्रीतवान् ?

ङ) गुरोराशीः केन लब्धा ? का वा आशीः ?

7. यथेच्छं **त्रिषु** स्थलेषु सन्धिः कार्यः। [3×1]

मुनी + इमौ, शिष्यौ + आगतौ, सूर्य + उदयः, हरिः + राजते, अनु + एषणम्।

8. यथेच्छं **त्रिषु** स्थलेषु सन्धिविच्छेदः कार्यः। [3×1]

नयनम्, स्वागतम्, साधूक्तम्, मुनिरयम्, रामोऽपि।

9. रेखाङ्कितानां पदानां **द्वयोः** सकारणं विभक्तिर्निर्णेया। [2×2]

क) दशरथ इति राजा आसीत्।

ख) दीनं प्रति दया।

ग) वपुषा चतुर्भुजः।

घ) श्रमम् अन्तरेण विद्या न भवति।

10. यथारुचि विषय**द्वयं** सोदाहरणं व्याख्येयम्। [2×2]

अपवर्गे तृतीया, क्रियाविशेषणे द्वितीया, सहयोगे तृतीया, हेतौ तृतीया।

11. अशुद्धिसंशोधनपूर्वकं वाक्य**त्रयं** लेखनीयम्। [3×1]

क) भगवानस्य अपारः महिमा।

ख) नक्तं जाग्रति चौरः।

ग) विपदात् मां रक्ष।

घ) मम मने सुखं नास्ति।

ङ) बालकाः विद्यालयमगच्छत्।

12. यथेच्छं वाक्य**त्रयस्य** अर्थः एकैकेन पदेन प्रकाशनीयः। [3×1]

क) गजानां समूहः।

ख) भृशं रोदिति।

ग) जाया च पतिश्च।

घ) पुनः पुनः पश्यन्ति।

ङ) रावणस्य अपत्यं पुमान्।

——— × ———